

संपादकीय

आतंक का नेटवर्क

दिल्ली और यूपी में इस्लामिक स्टेट (आईएसआईएस) के एक मॉड्यूल के खुलासे ने चिंता बढ़ा दी है। गौतमलब है कि राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) और यूपी पुलिस के आतंकवाद निरोधी दस्ते (एटीएस) ने दिल्ली और यूपी में कई ठिकानों पर छापेमारी कर भारी मात्रा में विस्फोटक सामान और हथियार बरामद किए। एनआईए के अनुसार इस मॉड्यूल 'हरकत-उल-हर्ब-इस्लाम' का मकसद कई जगहों पर बड़े धमाके करके दहशत फैलाना था। आतंक का यह नेटवर्क 3 से 4 महीने में ही तैयार हो गया था। पुलिस ने इस मामले में 10 सदिग्धों को हिरासत में लिया है। हालांकि इसके मास्टरमाइंड मुफ्ती सुहैल की तलाश जारी है।

कुछ साल पहले आईएसआईएस ने यह रणनीति बनाई कि वह खुद भारत या अन्य देशों में अपना अभियान नहीं चलाएगा बल्कि वहां पहले से ही आतंकी गुटों या इस तरह के नए समूहों को मदद पहुंचाएगा। उसके बाद इसने अलग-अलग तरीकों से अपने विचार का प्रचार करना जारी रखा जिससे प्रभावित होकर कई युवा इराक या सीरिया पहुंचे या कुछ भारत में दहशतगर्दी की योजना बनाने लगे। इनमें कई पढ़े-लिखे नौजवान भी शामिल हैं।

गृह राज्य मंत्री हंसराज अहीर के अनुसार वर्ष 2016 में 50 आतंकीयों को सुरक्षा एजेंसियों ने गिरफ्तार किया जिन पर आईएसआईएस से जुड़े होने का संदेह है। पिछले साल फरवरी में गुजरात के राजकोट और भावनगर से एटीएस ने दो सगे भाइयों को पकड़ा था, जिन पर भारत में लोन वूल्फ अटैक की साजिश रचने का आरोप है। पिछले ही साल लखनऊ में एक आतंकी के साथ पुलिस की मुठभेड़ भी हुई। कानपुर से भी एक आतंकी पकड़ा गया। गनीमत है कि अभी तक आईएसआईएस समर्थक कोई बड़ी घटना को अंजाम नहीं दे पाए हैं। निश्चय ही सुरक्षा एजेंसियों की सतर्कता से हर तरह की साजिश विफल हो जा रही है और कोई मजबूत नेटवर्क नहीं बन पा रहा है। सुरक्षा तंत्र को और भी मुस्तैद रहने की जरूरत है। इस मामले में किसी तरह की राजनीति नहीं होनी चाहिए। लेकिन वित्त मंत्री अरुण जेटली ने आतंकी मॉड्यूल के खुलासे को इलेक्ट्रॉनिक संचार पर होने वाली निगरानी से जोड़ दिया है।

उन्होंने कहा कि जिस इलेक्ट्रॉनिक इंटरसेप्शन का यूपीए सहित सारा विपक्ष विरोध कर रहा था, उसी के जरिए यह सफलता मिली है। याद रहे, केंद्र सरकार ने 10 एजेंसियों को पिछले दिनों कंप्यूटर और मोबाइल फोन की निगरानी करने का अधिकार दिया है, जिसका कांग्रेस और कई अन्य पार्टियों ने गुंजायमान विरोध किया है। यह सही है कि आतंक पर नजर रखने के लिए इलेक्ट्रॉनिक इंटरसेप्शन की जरूरत पड़ती है, लेकिन यह तभी किया जाना चाहिए जब किसी पर संदेह हो। बिना किसी शक के हर किसी के निजी डेटा पर नजर रखना किसी भी दृष्टि से सही नहीं है। विपक्ष ने यही सवाल उठाया है, जिस पर अलग से बहस होनी चाहिए। आतंक के मामले पर इस तरह की बयानबाजी ठीक नहीं।

किसानों को नहीं रुलाएगा प्याज, मोदी सरकार ने किया बड़ा फैसला

नई दिल्ली। सरकार ने प्याज के निर्यात पर प्रोत्साहन को दोगुना कर दिया है। प्याज के दाम में गिरावट से पैदा हो रही चिंताओं के बीच उसके निर्यात को बढ़ावा देने और किसानों को अधिक मूल्य दिलाने की कवायद के तहत ये कदम उठाए गए हैं। वर्तमान में प्याज के निर्यातकों को भारत से व्यापारिक वस्तु निर्यात योजना (एमईआईएस) के तहत (एमईआईएस) नई फसल के लिए पांच प्रतिशत का निर्यात प्रोत्साहन प्राप्त होता है। यह योजना

12 जनवरी, 2019 तक के लिए लागू थी। इस योजना को भी अगले एमईआईएस के तहत मौजूदा पांच प्रतिशत के प्रोत्साहन को बढ़ाकर दस प्रतिशत कर दिया है। उसमें कहा गया है कि इससे घरेलू बाजार में प्याज के अधिक दाम मिलेंगे। मंडियों में नई फसल आने के कारण प्याज की खुदरा कीमतें बहुत अधिक 'गिर गई हैं'। बयान में कहा गया है, इस स्थिति से निपटने के लिए सरकार ने निर्यात को बढ़ावा देने का फैसला किया है ताकि घरेलू कीमतों में स्थिरता आए।



साल 30 जून तक के लिए? विस्तारित कर दिया गया है। एक

आधिकारिक बयान में कहा गया है, सरकार ने किसानों के हित में एमईआईएस के तहत मौजूदा पांच प्रतिशत के प्रोत्साहन को बढ़ाकर दस प्रतिशत कर दिया है। उसमें कहा गया है कि इससे घरेलू बाजार में प्याज के अधिक दाम मिलेंगे। मंडियों में नई फसल आने के कारण प्याज की खुदरा कीमतें बहुत अधिक 'गिर गई हैं'। बयान में कहा गया है, इस स्थिति से निपटने के लिए सरकार ने निर्यात को बढ़ावा देने का फैसला किया है ताकि घरेलू कीमतों में स्थिरता आए।

ई-सिगरेट के आयात, निर्माण और बिक्री पर पर रोक लगाई

नई दिल्ली। सरकार ने ई-सिगरेटों जैसे केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) की तस्करि निरोधक इकाई ने इस संबंध में अपने फील्ड अधिकारियों को सर्कुलर जारी किया है। इसमें ड्रग कंट्रोलरों को

ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स एक्ट, 1940 का पालन नहीं करने वाले इम्पोर्टर के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई करने को कहा है। बीआईसी का यह सर्कुलर दिल्ली हाई कोर्ट के इस संबंध में जारी आदेश के बाद आया है।



इसमें हाई कोर्ट ने केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के इसी तरह के एक सर्कुलर पर कहा था कि केंद्र सरकार द्वारा जारी पत्र पर अमल करना राज्यों के लिए बाध्यकारी नहीं है।

भारत के रुपये कार्ड की बढ़ रही है दुनिया में धमक, जल्द ही इस देश में होगा लॉन्च

नई दिल्ली। रुपये कार्ड साल दर साल सफलता के झंडा लहराता जा रहा है। स्वदेशी भुगतान प्रणाली पर आधारित एटीएम कार्ड RuPay ने भारत में शानदार प्रदर्शन किया है। वहीं, अब भूटान सरकार ने भी RuPay Cards को अपने देश में लॉन्च करने का निर्णय लिया है। इसकी जानकारी भूटान के प्रधानमंत्री लोटे शेरींग ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ हुई प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता में दी। दरअसल, बाजार में Mastercard और Visa कार्ड ही रुपये कार्ड के मुख्य प्रतिद्वंद्वी हैं। Mastercard और Visa अंतर्राष्ट्रीय डिजिटल पेमेंट कंपनियां हैं।



नेमार को बार्सिलोना से खेलते देखना चाहते हैं लियोनेल मेसी

नई दिल्ली। स्पेन फुटबाल क्लब बार्सिलोना के स्टार फुटबॉल खिलाड़ी लियोनेल मेसी का कहना है कि वह ब्राजील के स्टार नेमार को क्लब में वापस शामिल होते हुए देखना चाहते हैं। रिपोर्ट के अनुसार, मेसी ने इसके अलावा बार्सिलोना से जाने की अटकलों को भी सिरे से खारिज कर दिया है। बता दें कि पिछले साल नेमार 22.2 करोड़ पाउंड की राशि में बार्सिलोना से निकलकर पेरिस सेंट जर्मेन क्लब में शामिल हुए थे। हालांकि, अब भी उनका नाम बार्सिलोना के साथ जोड़ा जा रहा है और इस क्लब में उनकी वापसी की अटकलें लगाई जा रही हैं।



मैलबर्न फतह का इंतजार बढ़, जीत से 2 कदम दूर भारत

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया के पुछले बल्लेबाजों ने भारत का इंतजार जरूर लंबा करा दिया, लेकिन विराट कोहली की टीम तीसरे क्रिकेट टेस्ट में जीत से सिर्फ दो विकेट दूर है जबकि रविवार को पूरे दिन का खेल बाकी है। गेंद से कमाल दिखाने के बाद पैट कमिंस ने नाबाद अर्धशतक बनाकर भारत को शनिवार को मैच खत्म नहीं करने दिया। एक समय पर चाय के बाद ऑस्ट्रेलिया के सात विकेट 176 रन पर गिर गए थे, लेकिन चौथे दिन का खेल समाप्त होने पर स्कोर आठ विकेट पर 258 रन था। कमिंस 103 गेंद में पांच चौकों और एक छक्के के साथ 61 रन बनाकर खेले रहे हैं, जबकि नाथन लियोन ने छह रन बना लिये

नए साल पर बीएसएनएल में नहीं होगा ब्लैकआउट

नई दिल्ली। बीएसएनएल मोबाइल उपभोक्ता नए वर्ष की पूर्व संध्या (31 दिसम्बर) पर अपने दोस्त व रिश्तेदारों से बाधा रहित बधाइयों का आदान-प्रदान कर सकेंगे। नए वर्ष पर बीएसएनएल ने अपने उपभोक्ताओं को बेहतर सेवाएं प्रदान करते हुए 31 दिसम्बर व एक जनवरी को ब्लैकआउट-डे नहीं रखने का निर्णय लिया है। बीएसएनएल के प्रधान महाप्रबंधक (विक्रय एवं विपणन) सतीश कुमार बताते हैं कि बीएसएनएल मोबाइल सेवा के सभी उपभोक्ताओं को जिसके तहत नए वर्ष की पूर्व संध्या और नए साल पर अपने निकट और प्रिय लोगों से सर्फिंग या बात करते समय सभी प्लान व विशेष टैरिफ वाउचर से सम्बंधित सभी लाभ पहले की तरह मिलते रहेंगे।



आज का राशिफल

शेष: आज आप अपने दम पर कुछ करने की कोशिश करें, क्योंकि आपमें आवश्यकता अनुकूल सभी हुनर हैं। काम करते समय तुरंत कायदे की न सोचें, सही समय पर उचित फायदा आपको हो जाएगा।

गुण: आज आपको आपकी दूरदर्शिता का फायदा मिलेगा, क्योंकि इसका असर आपके काम काज पर हो रहा है। आजीविका के क्षेत्र में आपके अनुभव को दूसरे लोग भी अपनाएंगे। मिथुन: आपके कार्यक्षेत्र के वातावरण में सुधार होगा। यदि आपका धन किसी योजना या सही इन्वेस्टमेंट पर खर्च हो रहा है तो बेहतर है।

कर्क: अज आपके लिए परिस्थितियां कुछ नया मोड़ ले रही हैं। आपके सभी रूके हुए लक्ष्य भी हाथ में आने वाले हैं। यदि आप किसी करियर से संबंधित प्रस्ताव पर विचार कर रहे हैं, तो सोच-समझ कर निर्णय लें।

सिंह: बिजनेस के संबंध में रिस्क लेने पर आज आपको फायदा होगा। अगर इन्वेस्टमेंट या जमीन जायदाद का सौदा करने की सोच रहे हैं तो, इस संबंध में बात आगे बढ़ाएं।

कन्या: आज आपको अपने रूटीन लाइफ में बदलाव के लिए कहीं छुट्टी या पर्यटन का आयोजन करने की जरूरत है। यदि आपके पास समय की कमी है तो आप अपने अथरे काम पूरे करने की सोचें।

तुला: आज आपका पारिवारिक वातावरण अच्छा रहेगा। कार्यस्थल पर कार्यक्षेत्र में कुछ और पैसा इन्वेस्ट करने से स्थितियां नियंत्रण में आ सकती हैं और बेहतर लाभ हो सकता है।

वृश्चिक: आपके द्वारा पूर्व में लिए गए निर्णय आज सार्थक हो सकते हैं। दाम्पत्य जीवन में मधुरता बनी रहेगी। किसी के द्वारा किया गया परेपकार आपके लिए वरदान सिद्ध हो सकता है।

धनु: आज आपके घर में कोई मंगलिक कार्य आयोजित होने वाले हैं। किसी विवाह योग्य सदस्य के रिश्ते आज फाइनल हो जाएंगे, इसके खर्च के लिए समय रहते ही पैसे इकट्ठा करें।

मकर: लंबे समय से साझेदारों के साथ पैसा हुए तनाव आज खत्म हो जाएगा। इससे आपको जहां रहत मिलेगी वहां एक उपयोगी व्यक्ति के पुनः आपके जीवन में लौट आने का हर्ष भी होगा।

कुंभ: इन दिनों कुछ रंगीन मिजाज लोगों के साथ आपका उठना बैठना चल रहा है। इनके साथ मौज-मस्ती के पिछे पैसे खर्च करने पड़ सकते हैं। आज आपको अपने मान सम्मान का ध्यान रखने की जरूरत है।

मीन: किसी मानसिक भ्रम या भय के कारण आपका स्वास्थ्य ठीक नहीं रहेगा। मन चिड़चिड़ा होने के कारण काम में अरुंधि रहेगी। आवागमन में दिक्कत हो सकती है। किसी अधिभ्रमणीय व्यक्ति के कारण आपकी प्रतिष्ठा धूमिल हो सकती है।

नए साल से पहले करें ये उपाय, पूरी होंगी मनोकामनाएं

हम अच्छी यादों को बनाए रखना चाहते हैं और बुरी यादों को भूलना चाहते हैं। इस दिन अगर हम कुछ विशेष तरह के कार्य करें तो मन और जीवन से कड़वी चीजें मिट जाती हैं। साथ ही आने वाला पूरा साल खुशियों से भर जाता है।

क्या करना चाहिए पुराने साल के अंतिम दिन घर की पूरी साफ सफाई करनी चाहिए और अगर सम्भव हो तो सजाना भी चाहिए।

किसी न किसी रूप में भगवान को याद करना चाहिए। चाहे भजन करें, चाहे कीर्तन करें या स्तुति करें। इस दिन जख्मतमंदों को वस्त्र और खाने पीने की चीजों का दान करना चाहिए। इस दिन चमकदार और सुन्दर रंग के वस्त्र धारण



करें। काले रंग के वस्त्रों से परहेज करें। क्या नहीं करना चाहिए पुराने साल के अंतिम दिन

घर को खाली छोड़कर इधर उधर न घूमें। मांस मदिरा और ऊधम से परहेज करें। किसी से वाद-विवाद न करें। पुराने साल के अंतिम दिन या साल के पहले दिन, अलग-अलग मनोकामनाओं के लिए करें। धन और सम्पन्नता के लिए घर में रौशनी करें। कर्ज और मुकदमे से मुक्ति के लिए- घर में फूलों की झालर लगाएं। संतान प्राप्ति के लिए या संतान की समस्या के लिए फूलों के पौधे लगाएं। नौकरी, कारोबार या रोजगार के लिए- विष्णु सहस्रनाम का पाठ करें, गरीबों को भोजन कराएं। हो सके तो कर्ज के लेन देन से बचें।

घर पर ही बनाए 'कसूरी मेथी मठरी'



घी, 1 टीस्पून अजवाइन, नमक स्वादानुसार, गुनगुना पानी आवश्यकतानुसार

बनाने की विधि - कसूरी मठरी बनाने के लिए सबसे पहले एक बर्तन में मैदा, सूजी, नमक और कसूरी मेथी डालकर मिला लें-अब मैदे में घी डालकर अच्छी तरह से मिलाएं, आटे में गुनगुना पानी डालकर सख्त आटा गूंद लें और इसे ढककर आधे घंटे के लिए अलग रख दें, इसके बाद आटे को फिर से अच्छी तरह गूंदें और इसकी छोटी-छोटी लोइयां बना लें, तैयार लोइयों को हल्का-सा बेल लें और फिर काटे वाले चम्मच से मठरियों में छेद कर दें, मीडियम आंच में एक कड़ाही में तेल गर्म करने के लिए रखें, तेल के गर्म होते ही इसमें मठरियों को डालकर सुनहरा होने तक तल लें और आंच बंद कर दें, कसूरी मठरी तैयार है।

आवश्यक सामग्री - 5 कप मैदा, 1 कप सूजी, 10 टीस्पून चम्मच कसूरी मेथी, 5 टेबलस्पून

शब्द सामर्थ्य-32

बाएं से दाएं	उपस्थित होना, उठरना 18. जिसे लात खाने की आदत हो गई हो (उर्दू) 4. साथ में, सहित 5. वर्षा, बारिश, बरखा 8. कथा, किस्सा 9. चिढ़ाचिड़ा, बदमिजाज 11. प्रलय, आफत, हलचल 12. लाख ढकने का कपड़ा 13. पिता, कलक, सम्मानित व्यक्ति 14. वायु, पवन 16. निवास करना,	काम, शिक्षा 10. किस्मत, नसीब, भाग्यवान 12. एक पक्षी जो पुराने समय में संदेश वाहक का काम करता था 13. बाल, बच्चा, लड़का, छोकरा 17. वायु संबंधी, हवा में रहने, उड़ने या होने वाला, बिल्कुल काल्पनिक और निर्मूल 19. नाव, कश्ती 20. वर्ष, बरस, एक इमारती वृक्ष।
---------------------	---	--

1	2	3	4	5	6	7
8	9	10	11	12	13	14
15	16	17	18	19	20	21
22	23	24	25	26	27	28

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 31 का हल

पं	क्ति	स्वा	द	स	ब	ब
जा	सु	हा	ना	ली	द	
ब	हु	धा	द	ल	ना	ल
		क	मा	न	ग	ह
भं	व	र		वा	म	
गी	त	म	ज	बू	र	ट
		न	म	स्का	र	र
		यां		बी	ना	का
सं	वि	दा	ब	स	च	ल

सू-दोक्-32

	9		1	6		2		7
3								9
		6						
7			5		1		3	
	8			9		6		2
		4					7	
	3					2	9	6
6		7	3					4
	4				1		7	8

नियम	सू-दोक् क्र.31 का हल
1. कुल 81 वर्ग हैं, जिसमें 9 वर्गों का एक खंड बना है।	2 6 3 9 8 7 1 5 4
2. हर खाली वर्ग में 1 से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते हैं।	8 5 1 3 2 4 6 7 9
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कालम, कतार और खंड में 1 से 9 अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते हैं।	9 4 7 1 5 6 8 2 3
	3 9 8 6 7 1 5 4 2
	6 1 2 5 4 3 9 8 7
	5 7 4 8 9 2 3 1 6
	1 2 6 7 3 5 4 9 8
	4 8 5 2 6 9 7 3 1
	7 3 9 4 1 8 2 6 5